दिशानिर्देश

श्रमशक्ति

अपने व्यवसाय को दोबारा सुचारु रूप से चलाने के लिए जब आप श्रमशक्ति लगा रहे हैं तो आपके कर्मचारियों की सुरक्षा का पूरा ख्याल रखना आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए।

अपने व्यवसाय को सफल और संपन्न बनाने के लिए अपने कर्मचारियों का सहयोग करें। इस नए दौर में कोविड-19 से बचाव के लिए आपको हर मुमकिन कदम उठाने की जरूरत है। इस दौर में आपको पुराने और नए कर्मचारियों को एक साथ मिलकर काम करने के लिए प्रेरित करना होगा ताकि काम में गुणवत्ता आए, कर्मचारी एक-दूसरे से कला कौशल को सीख सकें और कार्यस्थल पर काम का क्रम सुचारु हो। अपने व्यवसायिक लक्ष्य और कर्मचारियों की बेहतरी को ध्यान में रखते हुए कदम उठाएं। कर्मचारियों पर विश्वास रखें और लगातार संवाद करते रहें

पृष्ठभूमि

कोविड-19 के संक्रमण और इसकी रोकथाम के लिए लगाए गए लॉकडाउन की वजह से उद्योगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। खासतौर पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को। व्यापार ठप होने की वजह से आपके श्रमिकों और मजदूरों की जिंदगी पर भी काफी गहरा असर पड़ा है। जैसे-जैसे पाबंदियां हटेंगी आपको एक प्रभावी श्रमशक्ति बनाने की जरूरत है इसके लिए आपको अपने पुराने कर्मचारियों और श्रमिको को वापस लाने की जरूरत है। साथ ही नए मजदूरों को भी जोड़ना पड़ेगा। कार्यस्थल पर कोविड-19 की रोकथाम के इंतजाम करने से काम करने के तरीकों में भी बदलाव आएगा। एक उत्पादन व्यवसाय होने के नाते आपके लिए लेबर और उनका प्रबंधन बेहद जरूरी है।

एक उद्यमी होने के नाते आपको खुद से कुछ सवाल पूछने की जरूरत है-

आप अपने कर्मचारियों को कैसे सुरक्षित रख सकते हैं? कम आय और उत्पादन होने के बावजूद और आप कैसे ज्यादा से ज्यादा कर्मचारियों को साथ बनाए रख सकते हैं? श्रमबल की कमी से आप उत्पादन पर पड़ने वाले असर को कितना कम कर सकते हैं? कर्मचारियों के बीच कार्य कौशल में फर्क का प्रबंधन कैसे कर सकते हैं? ये सवाल संचालन में आने वाली रुकावटें हैं:

- सबसे पहले, लॉकडाउन की वजह से श्रमबल जुटाना एक बहुत बड़ा चैलेंज हो गया है। अनुबंधित मजदूर अपने गांव वापस लौट गए होंगे। इससे आपको जरूरी संचालन के लिए कुशल कामगार मिलने में दिक्कत आएगी।
- कार्यस्थल पर एक साथ काम करने से कर्मचारी के बीच कोरोना के फैलाव का खतरा भी बना रहेगा, क्योंकि आमतौर पर फैक्ट्री में ये सभी एक साथ काम करते हैं, एक ही मशीन और औजार का इस्तेमाल करते हैं
- आपको संचालन जारी रखने के लिए नए कर्मचारियों की जरूरत पड़ेगी। ऐसे में उन्हें काम सिखाना पड़ेगा
- मार्केट में मांग की कमी से आपकी आय पर फर्क पड़ा है ऐसी स्थिति में पुराने कर्मचारियों को साथ बनाए रखने में मुश्किल आ सकती है

- मार्केट में काफी बदलावा आया है, व्यापार करने के तरीकों में बदलाव आया है और ऐसे में उत्पादन में भी बदलाव आएगा। इसे संभालने के लिए आपको लक्ष्य, प्रक्रिया और उत्पादन की प्रणाली को भी उसी हिसाब से ढालना पड़ेगा। कामगारों को भी इसी हिसाब से ढालना पड़ेगा

इन रुकावटों को नीचे दिए गए तरीकों से दूर किया जा सकता है:

- कार्यस्थल पर कर्मचारियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य की उत्तम व्यवस्था करें ताकि कर्मचारी अच्छे से काम कर पाएं और अपने स्वास्थ्य की चिंता न करनी पड़ें
- कर्मचारियों को काम करने के नए तरीकों के हिसाब से ट्रेनिंग दें और उनका प्रोत्साहन करते रहें ताकि काम की गुणवत्ता बेहतर हो

इन तरीकों को अपनाने से आप ये सुनिश्चित कर सकते हैं कि कर्मचारी अपने काम को सही ढंग से करे ताकि आपका व्यावसायिक लक्ष्य पूरा हो सके

दृष्टिकोण- 3P मॉडल

3P मॉडल को अपनाकर आप अपने कर्मचारियों की क्षमता को बेहतर कर सकते हैं ताकि आपका व्यापार सुचारु रूप से चले

3P- लोग (People), कार्यस्थल (Place) और संचालन (Procedure)

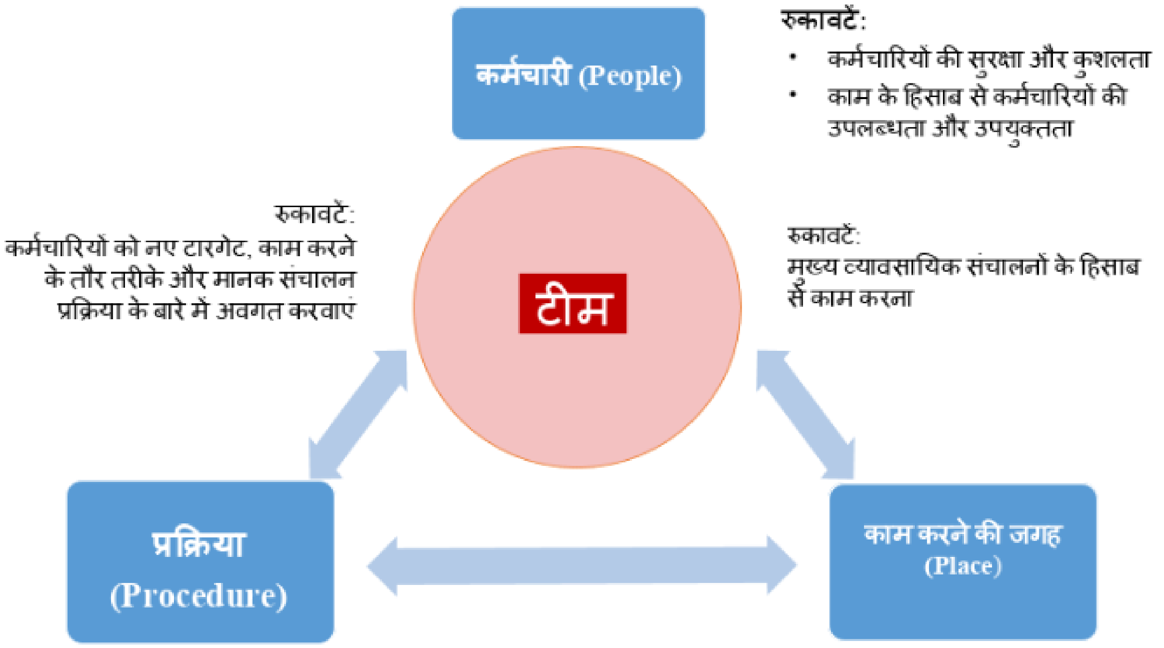

लोग, कार्यस्थल और संचालन का प्रबंधन करने से ये तय हो जाता है कौन क्या काम करेगा, काम कहां होगा और वह पूरा कैसे होगा। नीचे दिए गए बिंदु इसे और विस्तृत तरीके से समझाते हैं। ज्यादा जानकारी के लिए इस मापांक की जांच सूची और बाकी अध्ययन सामग्री को जरूर देखें

लोग

लोगों को लेकर आपको जो जरूरी कदम उठाने हैं वो ये हैं कि आप कार्यस्थल को कर्मचारियों के अनुकूल बनाएं। मौजूदा हालात में कोरोना महामारी के फैलाव को देखते हुए कई कर्मचारी काम पर लौटना नहीं चाह रहे होंगे। ऐसे में कार्यस्थल की साफ-सफाई पर ध्यान दें, कर्मचारियों को साबुन, हैंड सैनिटाइजर, मास्क और बाकी बचाव के उपकरण दें। कर्मचारी, खासकर जो अनुबंधित हैं; उन्हें साथ बनाए रखने के लिए आप कई कदम उठा सकते हैं- एडवांस सैलरी दें, खाने-पीने जैसी जरूरी सुविधाएं दें, रहने के लिए जगह दें, इत्यादि। कर्मचारियों को आने-जाने के लिए ऑफिस की गाड़ी मुहैया करवाएं ताकि वो बीमारी के संक्रमण से बचे रहें और बिना किसी डर के रोज काम पर आएं। इसके अलावा कर्मचारियों और मजदूरों के अनुबंधों में थोड़ी राहत दें। अगर किसी कर्मचारी की ज्यादा जरूरत नहीं है तो उसे काम के हिसाब से आने की छूट दें। छुट्टी देने के नियमों में बदलाव करें, बीमार पड़ने पर छुट्टियां लेने के नियमों में बदलाव करें ताकि वो बिना किसी परेशानी के आपके साथ जुड़ा रहे।

चूंकि अब काम के संचालन का तरीका नया होगा ऐसे में कर्मचारियों के कौशल और क्षमता पर भी ध्यान देने की जरूरत है। श्रमशक्ति की कमी की वजह से नए लोगों को काम पर रखना पड़ेगा। नए लोगों के लिए ट्रेनिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करनी पड़ेगी। कर्मचारियों को एक-दूसरे का काम सिखाएं ताकि आपातकालीन स्थिति में संचालन न रुके, buddy सिस्टम के साथ पुराने कर्मचारियों और नए कर्मचारियों को मिल जुलकर काम करने की जरूरत है। मौजूदा संचालन के साथ-साथ भविष्य का पूर्वानुमान लगाने की भी जरूरत है, क्योंकि इससे बदलाव का अंदाजा लग जाए और उसी हिसाब से आप अपनी श्रमशक्ति का प्रबंधन करें

जगह

कर्मचारियों के लिए सुरक्षित संचालन की व्यवस्था इस वक्त सबसे जरूरी है ताकि आपके कर्मचारी सही तरीके से उत्पादन कर पाएं। कार्यस्थल पर कर्मचारियों के लिए खतरे को कम से कम करना आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। इसे कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं- मशीनों का रखरखाव करते रहें, जरूरी औजार आसपास ही रखें हो ताकि काम करते वक्त आसानी हो। लेकिन इस दौर में कार्यस्थल पर कोरोना के बचाव के उपाय करना सबसे जरूरी है। इसके तहत कार्यस्थल की समय-समय पर सफाई, बार-बार छुए जाने वाली सतह का सैनिटाइजेशन, इत्यादि शामिल हैं। कार्यस्थल में वर्कस्टेशन को ऐसे व्यवस्थित करें कि लोग एक-दूसरे से कम से कम संपर्क में आएं। मिसाल के तौर पर कार्यस्थल को काम के हिसाब से अलग-अलग जोन में बांट दिया जाए और हर जोन के बीच आने-जाने पर रोक लगा दी जाए, उपकरणों और औजारों को साझा करने पर रोक लगा दी जाए। हर वर्कस्टेशन को एक-दूसरे से कम से कम 6 फीट की दूरी पर रखें। संकटकाल के दौर में आपके पास कार्यस्थल को सही क्रम में करने का एक अवसर भी है। सही क्रम में करने के लिए 5S तकनीक का इस्तेमाल कर सकते हैं।

5S- चुनें (Sort), क्रम में लाएं (Set in order), रखरखाव करें (Shine), मानक तय करें (Standardize), बरकरार रखें (Sustain)

इस दौरान फैक्ट्री या ऑफिस में और दूसरे काम किस तरह से हो रहे हैं उस बात की भी टोह लें। आमने-सामने बैठकर मीटिंग को डिजिटल मीटिंग के जरिए आयोजित किया जा सकता है। बिजनेस ट्रैवल को भी रोककर डिजिटल मीटिंग को बढ़ावा दें

इन बिंदुओं पर गौर करके आप ये तय कर सकते हैं कि संचालन को कहां चलाना है और इसके विकल्प भी तलाशने हैं

प्रक्रिया

काम करने की प्रक्रिया को मौजूदा हालात और नए लक्ष्य के हिसाब से ढालने की जरूरत है। फैक्ट्री में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए इसके मायने ये हैं कि काम करने के तरीके में बदलाव आएगा, लोगों से मिलने- जुलने को लेकर बदलाव आएगा। दफ्तर में कई और बदलाव देखने को मिल सकते हैं। जैसे- बायोमेट्रिक सिस्टम को खत्म किया जाएगा, कैश के इस्तेमाल पर रोक लगाई जा सकती है, इत्यादि। दफ्तर में कम से कम लोगों की मौजूदगी को बढ़ावा देना चाहिए। बाकियों से घर बैठे काम लेने की व्यवस्था बनाएं और इसके लिए बेहतर संचार सेवा को बहाल करना पड़ेगा।

मजदूरों की कमी और ऐसे इस बदलाव के फेज में काम की निगरानी और नियंत्रण की ज्यादा जरूरत है। कम लोगों से ज्यादा उत्पादन और नए लोगों से संचालन करवाने से उत्पादन की मात्रा और गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ सकता है। फैक्ट्री में समीक्षा और निगरानी रखने के लिए कुछ मानकों को तय करें

इसके लिए मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) तय कर दें ताकि हर कर्मचरी को ये पता हो कि उनके काम करने का सही तरीका क्या है? महत्वपूर्ण कर्मचारियों की अनुपस्थिति में काम को फिर से शुरू करने में असमर्थ होने पर वर्कफ्लो में समायोजन स्थापित करने के लिए एक आकस्मिक कार्य योजना बनाने पर विचार करें।

कार्य योजना/एक्शन प्लान

संचालन को सही तरीके से चलाने के लिए काम और कर्मचारियों के प्रबंधन की जरूरत है। इसके लिए एक एक्शन प्लान बनाएं

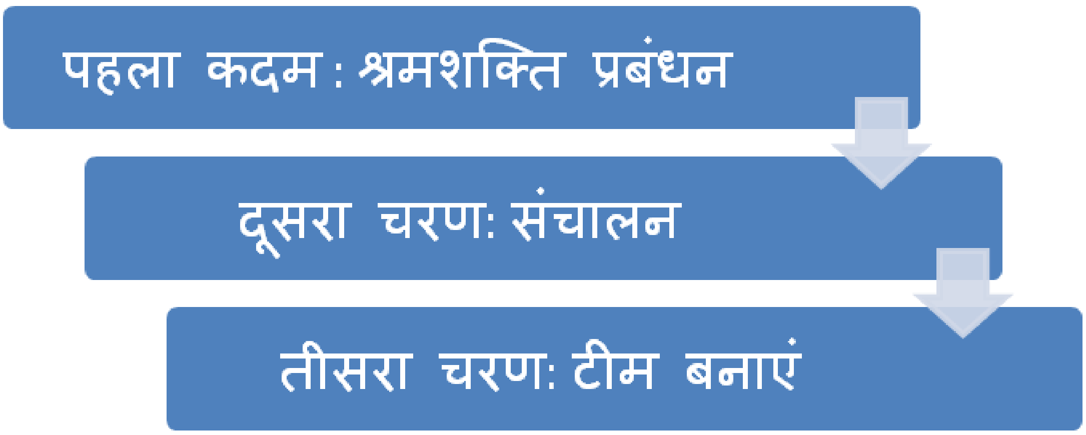

पहला चरण: श्रमशक्ति प्रबंधन

काम के हिसाब से कर्मचारियों को बांटना कई बिंदुओं पर निर्भर करता है- कितने कर्मचारी मौजूद हैं, कितने कर्मचारी किसी एक काम में माहिर हैं, कार्य कौशल के हिसाब से कर्मचारियों का बंटवारा, हर कर्मचारी की समीक्षा और मदद के लिए लोग

एक लिस्ट बनाएं कि लॉकडाउन के पहले कितने कर्मचारी काम कर रहे थे और लॉकडाउन खुलने के बाद कितने वापस आने को इच्छुक हैं

1. समीक्षा कर के ये पता लगाएं कि आपके व्यावसायिक संचालन के लिए कौन से काम सबसे ज्यादा जरूरी हैं

काम को तीन क्षेत्रों में बांटें (i) जरूरी, (ii) लचीला और (iii) अन्य

2. श्रमशक्ति में हुए बदलाव की वजह से कार्य कौशल में आई कमी को चिन्हित करें
3. काम के नए तौर-तरीके के मुताबिक कर्मचारियों को ट्रेनिंग दें

अगर कोई कर्मचारी बीमार पड़ जाता है या फिर वो वापस नहीं आ पाता है तो ऐसे में वैकल्पिक श्रमबल की व्यवस्था करें। आसपास की कंपनियों के साथ साझेदारी कर के आप अपने श्रमिकों को साझा कर सकते हैं

दूसरा चरण: संचालन

उपलब्ध और आवश्यक श्रमबल विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों के लिए नए काम या उत्पादन लक्ष्य तैयार करने और कार्य व्यवस्था और वर्कफ़्लो को परिभाषित करने का अनुमान देता है। समायोजन के दृष्टिकोण को इस मॉड्यूल के 'स्थान' और 'प्रक्रिया' विषयों के तहत समझाया गया है।

1. सीनियर और विशेषज्ञों के साथ मिलकर मौजूदा संसाधनों के हिसाब से नए लक्ष्य तय करें
2. कर्मचारियों की विभिन्न श्रेणियों के लिए अलग-अलग कार्य व्यवस्था की रूपरेखा
3. नए वर्कफ़्लो और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करें

-

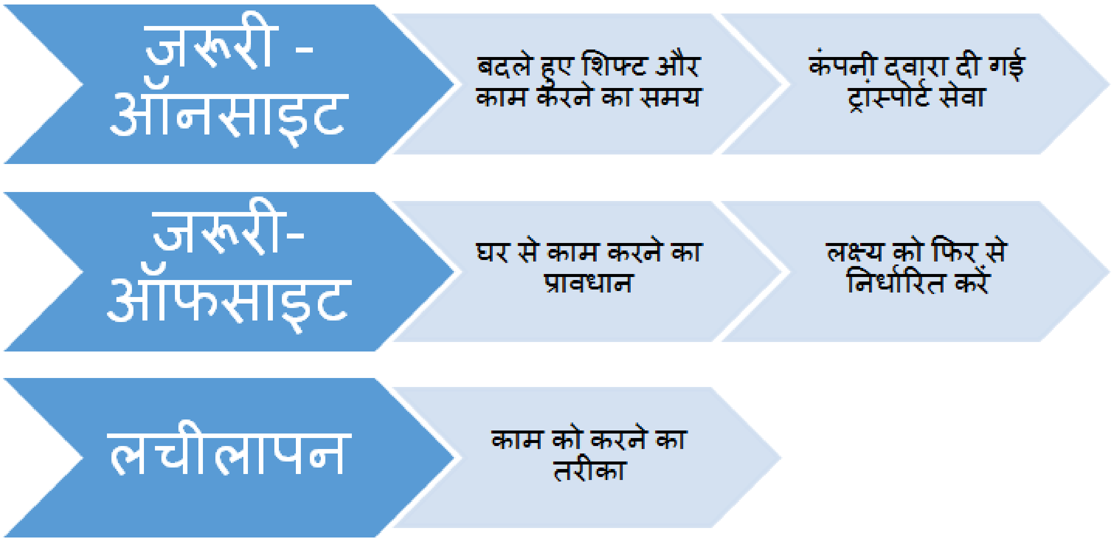

तीसरा चरण: टीम बनाएं

कर्मचारियों को अपने काम को प्रभावी रूप से करने के लिए प्रेरित करें इसके अलावा आपसी समन्वय बनाकर काम करने के लिए प्रेरित करें। संचार, सूचना-साझाकरण, कौशल विकास की पहल और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी से व्यवसाय को बहुत लाभ होता है। ऑन साइट और ऑफ साइट कर्मचारियों में दो तरफा संवाद होने से व्यावसायिक निर्णय लेने में आसानी होती है। कार्यस्थल सहयोग, संचार और कौशल विकास में सुधार करें।

1. कर्मचारियों को व्यावसायिक प्लान और लक्ष्य के बारे में बताते रहें
2. हितधारकों, जैसे श्रमिक संघों, ठेकेदारों, आपूर्तिकर्ताओं और विक्रेताओं को नीतियों / संचालन में परिवर्तन के बारे में सूचित करें
3. लगातार टीम मीटिंग / चर्चाएँ करें (सामाजिक दूरियों के मानदंड या दूरसंचार दिशानिर्देशों को ध्यान में रखते हुए)
4. COVID-19 के लक्षणों और रोकथाम पर कर्मचारियों को शिक्षित करें, यह न समझें कि लोगों को सारी जानकारी है
5. कार्यस्थल पर और साथ ही घर में व्यवहार और सामाजिक सहभागिता को कैसे बदलना चाहिए, इस पर कार्यकर्ताओं को संवेदनशील बनाएं
6. टीम के आउटपुट को बेहतर बनाने के लिए कर्मचारियों को अनुभव साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें
7. मूल्यांकन करें यदि आपको भविष्य में बदलते बाजार की स्थितियों को पूरा करने के लिए नए कार्य कौशल के साथ जनशक्ति को जोड़ने की आवश्यकता है

आगे की रणनीति

जब आप काम पर लोगों के प्रदर्शन और कार्यस्थल की समीक्षा और सुधार करते हैं तो इसे अपनी कंपनी के भविष्य को नजर में रखते हुए करें। खासतौर पर

- ø लोगों की नौकरी को सुरक्षित रखने के लिए संतुलित तौर पर खर्च को कम करने की जरूरत है
- ø श्रमशक्ति निर्धारित करते वक्त सरकार की एडवाइजरी और गाइडलाइंस को ध्यान में रखें
- ø छोटे दौर में बचत करने के लिए अच्छे कर्मचारियों को नौकरी से न निकालें